भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. *219
बुधवार,16 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्री प्रदूषण का सामाधान

***219** **डॉ. प्रीतम गोपनाथ राव मुंडे:**
श्री चंद्र शेखर साहू:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर हाल ही में सम्पन्न हुई वर्कशॉप के दौरान प्लास्टिक कचरे पर ध्यान केन्द्रित कर समुद्री प्रदूषण की समस्या कर समाधान करने हेतु एकजुट हुए है;

(ख) यदि हां, तो इसमें किन-किन मुद्दों पर चर्चा की गई एवं उनका ब्यौरा क्या है तथा उक्त वर्कशॉप के दौरान विभिन्न भागीदारों के क्या-क्या मत रहे;

(ग) इस वर्कशॉप से सतत विकास के लिए एक प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ समुद्र हेतु समुद्री कचरे के संबंध में विशेषकर प्लास्टिक अनुसंधान उपयोग डिज़ाइन, निपटान, पुनर्चक्रण और भागी सहयोग संबंधी चुनौतियों, प्रश्नों और समाधान का पता लगाकर एक दूसरे को इनकी जानकारी देने हेतु पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन (ईएसी) देशों को किस प्रकार बल मिला है; और

(घ) आगामी वर्षों में समुद्री प्रदूषण की बढ़ती समस्या से निपटने के तौर-तरीकों के बारे में विभिन्न भागीदारी द्वारा किन-किन सुझावों को साझा किया गया है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रखा है।

"समुद्री प्रदूषण का समाधान" के सम्बन्ध में दिनांक 16 मार्च 2022, बुधवार को दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *219 के (क) से (घ) के उत्तर में लोक सभा के पटल पर रखा विवरण

(क) जी, हां।

(ख) इस कार्यशाला में चार भिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

- समुद्री कचरे की समस्या का परिमाण: हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे सम्बन्धी निगरानी कार्यक्रम एवं अनुसंधान
- बेहतर परिपाटियां, नवीन कार्य विधियां, तथा प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम के लिए समाधान
- पॉलीमर एवं प्लास्टिक: प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन
- प्लास्टिक प्रदूषण रोकने या उपचार करने हेतु क्षेत्रीय सहयोग के अवसर

14 एवं 15 फरवरी 2022 को आयोजित कार्यशाला में विभिन्न देशों के 100 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतिभागी इस बात पर सहमत हुए कि समुद्री कचरा प्रदूषण एक अन्तरराष्ट्रीय समस्या है, और इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए सहयोगपूर्ण कार्य योजना बनाना महत्वपूर्ण था।

(ग) इस कार्यशाला में शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, उद्योगजगत, एनजीओ तथा नीति निर्माताओं आदि जैसे विभिन्न हितधारकों के लिए एक मंच निर्मित किया गया, ताकि वहां पर संवहनीय विकास हेतु एक प्लास्टिक मुक्त एवं स्वस्थ समुद्र हेतु संबंधित देशों में अपनाए जा रहे नवप्रवर्तनों, बेहतर पारिपाटियों एवं प्रौद्योगिकियों, विभिन्न चुनौतियों के बारे में चर्चा की जा सके।

(घ) समुद्री प्रदूषण की बढ़ती समस्या का समाधान करने हेतु प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत कुछ प्रमुख सुझाव इस प्रकार थे – ज्ञान साझा किया जाना, अपशिष्ट के पुन:प्रयोजन / पुनर्चक्रण हेतु नवप्रवर्तनशील प्रौद्योगिकी, सहयोग, लोक जागरुकता, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सिस्टम ताकि परिधीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सके।

*****